A–0626

Total Pages : 2 **Roll No. .....**

DVS-102

Diploma in Vastu Shashtra (DVS)

वास्तुशास्त्र के विविध आयाम

Examination February, 2026

Time : 2:00 Hrs. Max. Marks : 100

नोट :– यह प्रश्न-पत्र सौ (100) अंकों का है, जो दो (02) खण्डों 'क' तथा 'ख' में विभाजित है। प्रत्येक खण्ड में दिए गए विस्तृत निर्देशों के अनुसार ही प्रश्नों को हल करना है। ***परीक्षार्थी अपने प्रश्नों के उत्तर दी गई उत्तर-पुस्तिका तक ही सीमित रखें। कोई अतिरिक्त (बी) उत्तर-पुस्तिका जारी नहीं की जायेगी।***

खण्ड–क

दीर्घ उत्तरीय प्रश्न (2×26=52)

नोट :– खण्ड 'क' में पाँच (05) दीर्घ उत्तरीय प्रश्न दिये गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए छब्बीस (26) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल **दो** (02) प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

1. वास्तुशास्त्र में पञ्चांग के महत्व को प्रतिपादित कीजिए।
2. ग्रहारम्भ में भूमि परीक्षण के महत्व को स्पष्ट कीजिए।
3. वास्तुशास्त्र में काकिणी के स्वरूप को प्रतिपादित कीजिए।
4. वास्तुशास्त्र में वास्तुपद के महत्व का वर्णन कीजिए।
5. अहिबल चक्र का विस्तृत उल्लेख कीजिए।

खण्ड–ख

लघु उत्तरीय प्रश्न (4×12=48)

नोट :– खण्ड 'ख' में आठ (08) लघु उत्तरीय प्रश्न दिये गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए बारह (12) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल **चार** (04) प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

1. वृहत्संहिता के अनुसार शाल्यज्ञान के स्वरूप को लिखिए।
2. आय साधन विधि को लिखिए।
3. राशियों के अनुसार आय के शुभाशुभ फलों का वर्णन कीजिए।
4. होरा शास्त्र का संक्षिप्त परिचय दीजिए।
5. वास्तुशास्त्र में नक्षत्रशुद्धि विचार का वर्णन कीजिए।
6. गृह निर्माण में भूमि प्लवत्व विचार का वर्णन कीजिए।
7. द्वारस्थापन के शुभाशुभ मुहूर्तों को लिखिए।
8. गृहारम्भ में राहुमुख विचार का वर्णन कीजिए।

****